Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Now Shri Narayana Koragappa; demand for pension facility and health insurance benefit for handloom weavers. Hon. Members, today is Handloom Day.

Demand for Pension facility and Health Insurance benefit to handloom weavers

श्री नारायण कोरागप्पा (कर्णाटक): सभापति महोदय, आपने मुझे अपना विषय रखने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं थोड़ी हिन्दी में भी बात कर सकता हूं। आज देश के कोने-कोने में 10वां हैंडलूम डे मनाया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से एक बुनकर होने के नाते अपने समाज के सभी लोगों का अभिनंदन करता हूं। हमारे देश में गांधी जी ने करीब 100 साल पहले स्वदेशी आंदोलन किया था। उस समय ब्रिटिश लोग यूरोप से सभी प्रकार के फैब्रिक्स लाकर यहां व्यापार करते थे। उस समय गांधी जी से सोचा कि जैसे किसान हमारे देश की एक आंख है, उसी प्रकार बुनकर भी हमारे देश की एक आंख है। गांधी जी ने बुनकरों को सपोर्ट करने के लिए एक आंदोलन करके विदेशी कपड़े को जलाने का काम किया। विदेशी लोग वहां से कपड़ा लाते थे और यहां से सोना, चांदी और डायमंड लेकर चले जाते थे। उसमें हमारा एक कोहिनूर डायमंड लंदन के क्वीन पैलेस में है। उसके कैरट की वैल्यु है, यह बाहर के सभी देशों की सोच है, लेकिन उससे बड़ा डायमंड भारत में है, कुछ लोग उसकी वैल्यु नहीं समझते हैं, वह डायमंड हमारे नरेन्द्र मोदी जी हैं, वह हमारे प्रधान मंत्री जी हैं।

वर्ष 1905 में कोलकाता में इस आंदोलन की शुरुआत हुई। यह आंदोलन बुनकर को सपोर्ट करने कि लिए किया गया था। इस बात को ध्यान में रखकर हमारे प्रधान मंत्री जी ने वर्ष 2015 में चेन्नई में हैंडलूम डे बुनकर सामज को दिया। आज 10वां हैंडलूम डे मनाया जा रहा है। Ministry of Textiles, fourth Report on handloom बताती है कि 1995-96 में 65 lakh handloom workers थे, अभी 35 lakh handloom workers हैं, क्यों 50 परसेंट वर्कर्स कम हो गए? गवर्नमेंट को सोचना चाहिए कि उनको क्या प्रोब्लम्स आई कि वे 35 परसेंट रह गए और 10 साल के बाद वे 10 परसेंट रह जाएंगे। उनको 60 साल की उम्र के बाद पेंशन देकर उसकी हैल्थ का ध्यान रखा जाए।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Narayana Koragappa: Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Samik Bhattacharya (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Renuka Chowdhury (Telangana), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu)

Shri Kesridevsinh Jhala on 'Need for regulation of private detective agencies in India'.